राष्ट्र के ६६वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में गुजरात के माननीय राज्यपाल **श्री ओ० पी० कोहली जी का गुजरात के नागरिकों के नाम संदेश।**

प्यारे भाइयों एवं बहनों,

आज राष्ट्र के ६६वें गणतंत्र दिवस के गौरवमय एवं गरिमाभरे अवसर पर गुजरात प्रदेश के नागरिकों को और प्रदेश से बहार देश-विदेशों में स्थायी हुये हमारे गुजराती भाइ-बहनों को मैं हादिक बधाइ देता हूँ।

राष्ट्र के 66वें गणतंत्र दिवस के मौके पर आज हम इस राष्ट्रिय पर्व को उत्साह एवं उल्लास के साथ मना रहे हैं, तब हमें हमारे इतिहास के स्वर्ण पृष्ठो पर अंकित स्वतंत्रता संग्राम की अनगिनत अमर कथाएं हमारे मन-मस्तिष्क पर ताजा हो उठती हैं। हमे वह सुनहरे अतित के गलियारों में झांख ने की सहजरूप से इच्छा जागृत हो उठती हैं।

हमारा स्वतंत्रता का आंदोलन अपने आप में एक अनूठा आंदोलन था, जिसमें आजादी के दिवानों ने अपने प्राणों की आहूति हंसते-हंसते दी थी। उनकी राष्ट्रभक्ति, उनका त्याग-बलिदान एवं समर्पण का उदाहरण बेजोड एवम अविस्मरणीय हैं। समूचे विश्व को इस राष्ट्र के स्वतंत्रता आंदोलन से बोधपाठ प्राप्त हुआ और उन्हें यह प्रतीति हुई कि स्वतंत्रता के लिए रक़्तहिन क्रांति की मिसाल केवल भारत देश में ही संभव हैं। इस स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक थे, विश्व वंद्य राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी। उन्होंने सत्य एवं अहिंसा का सन्देश विश्व समुदाय को दिया और वह सन्देश विश्व के लिये एक प्रेरणा सन्देश बना। इस महान देश ने समग्ररूप से मानवता के हित में हमेशा विचार किया है, क्योंकि हमारे देश की सदियों पुरानी गौरववंती संस्कृति हमारी रगो में प्रवाहित है। वह है **''समन्वय''**, **''सर्व भवन्तु-सुखिन:''** तथा **''वसुधैव कुटुम्बकम्''** जैसी संकल्पनाएं भारत

वर्ष की ही देन हैं। वास्त्व में, इस संकल्पनाओं ने भारतीय दर्शन की आत्मा को संजोकर रखा है।

स्वतंत्रता संग्राम के प्रणेता राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी पंडित जवाहरलाल नेहरू, लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल एवं देश की स्वतंत्रता के लिये प्राण न्यौछावर करने वाले हमारे सभी महान वीरों-स्वतंत्रता सेनानियों को आज हम आदरपूर्वक नत मस्तक होकर स्मरण करते हैं और हमारे श्रधा सुमन उन्हें अर्पित करते हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने बलिदान से राष्ट्र को आजादी दिलाई है। अब हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के दर्शाये मार्ग पर चलकर प्रजातंत्र के सिद्वांतों एवं मूल्यों का जतन- संवर्धन करें। देश की स्वतंत्रता एवं अखंडता को हर कीमत पर सुरक्षित रखें।

मित्रों, हम ६६वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, तब हम सभी को गणतंत्र की सच्ची एवं वास्तविक अनुभूति हो रही है। भ्रष्टाचारमुक्त भारत, गौरवशाली भारत एवं विकासशील

भारत में आज सभी के विकास की संभावनाएं पैदा हुईं हैं। हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र से भारत राष्ट्र के दूरदराज में रहने वाले नागरिकों के मन में भी अपने विकास की आशा उजागर हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की जनता को सच्चे अर्थों में 'गणतंत्र' होने की अनुभूति हुई है। ऐसी अनुभूति के साथ आइए, हम भी समर्थ एवं सक्षम भारत के निर्माण में अपना योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त करें...प्रतिज्ञा लें...

भाईयों और बहनों, बतौर गुजराती हमें गर्व होता है कि हम 'गतिशील गुजरात' के नागरिक हैं। अपना गुजरात आज 'वैश्विक गुजरात' बना है। ७वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की भव्य एवं शानदार सफलता ने गुजरात को दुनिया के मानचित्र पर और भी दैदिप्यमान बनाया है।

गुजरात की राजधानी- गांधीनगर में ११० से अधिक देशों एवं २५ राज्यों के २५ हजार से अधिक प्रतिनिधियों

तथा विश्व की ३०० से अधिक शीर्ष कंपनियों के सीईओ ने साथ बैठ कर गुजरात एवं भारत के सर्वांगीण विकास की भाग्य रेखा अंकित की है जो असामान्य एवं असाधारण घटना है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव श्रीयुत बान की मुन की उपस्थिति में वैश्विक नीति-निर्धारकों, निवेशकों, उद्योगकारों एवं बौद्धिकों के तीन दिनों के मंथन के बाद गुजरात एवं भारत के सर्वांगीण विकास के लिए २५ लाख करोड़ रुपये मूल्य के २१ हजार से अधिक इन्वेस्टमेन्ट इन्टेशन किए गए। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में मूर्तिमंत हुई यह घटना समग्र दुनिया के लिए अनुकरणीय बनेगी। मेरे मतानुसार गुजरात का महात्मा मंदिर पूज्य गांधी जी की प्रतिभा को एक नये ही स्वरूप में दुनिया के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है।

मित्रों, विकास रथ के दो पहिये हैं, उद्योग एवं कृषि। उद्योग के विकास के मूल में कृषि का विकास है। गुजरात एक ऐसा राज्य है जहां उद्योग एवं कृषि का संतुलित विकास

देखा जा सकता है। पिछले १० वर्षों उपरांत के दौरान गुजरात सरकार ने कृषि क्षेत्र में जो दूरदर्शितापूर्ण निर्णय लिए हैं, उसके बेहतर परिणाम आज किसानों को मिल रहे हैं। जल संचय, जल व्यवस्थापन एवं जल वितरण के श्रेष्ठ कार्य से खेत उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। किसानों को दिए जाने वाले मार्गदर्शन एवं तालीम के चलते अब किसान वर्ष के दौरान तीन से चार फसलों का लाभ उठा रहे हैं। गुजरात सरकार ने कृषि में भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया है। गुजरात का किसान विश्व के साथ कदमताल कर सके, इस आशय से राज्य सरकार ने आई-किसान पोर्टल प्रस्तुत किया है। इसके द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि विषयक जानकारी घर बैठे उपलब्ध कराई जाती है। यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि पिछले ६ महीनों में ११ लाख से अधिक किसानों ने इस पोर्टल में पंजीयन करवाया है।

गतिशील गुजरात की मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने मौजूदा वर्ष को 'कृषि विकास वर्ष' के तौर पर

मनाने का फैसला कर गुजरात की कृषि एवं गुजरात के कृषकों को सर्वाधिक महत्व प्रदान किया है। कृषि विकास को और भी तेज बनाने के लिए इस वर्ष दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय **"रबी कृषि महोत्सव"** के आयोजन का लिया गया। राज्य की १७९ तहसीलों को रबी कृषि मेले का लाभ मिला और सबसीडाइज योजना के तहत लाभार्थी कृषकों को रुपये 700 करोड के ट्रेक्टर, रोटोमेटर जैसे साधनों का वितरण पारदर्शीक रूप से किया गया। इतना ही नहीं, गुजरात का मेहनतकश किसान आर्थिक या प्राकृतिक आपदाओं के सामने मजबूर नहीं बल्कि मजबूत बने, इसके लिए गुजरात सरकार ने किसानों को १,१०० करोड़ रुपये का सहायता पैकेज दिया है। कृषि उत्पादनों का समुचित मूल्य किसानों को मिले, यह इस सरकार की प्राथमिकता है।

भाईयों एवं बहनों, भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उनके द्वारा दिए गए इस मंत्र की सार्थकता

यह है कि आज 'गुजरात का विकास मॉडल' समूचा देश अपना रहा है। भारत के विकास के लिए गुजरात **'ग्रोथ-इंजन'** है। महज आर्थिक, औद्योगिक या कृषि विकास ही नहीं, परन्तु संपूर्ण मानवीय विकास ही गुजरात की प्राथमिकता रही है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के साथ सभी का सर्वांगीण विकास हो, इस दिशा में प्रयत्न किए जा रहे हैं।

स्वच्छता मानव जीवनस्तर के उत्कर्ष की प्राथमिकता है। पू. महात्मा गांधी के जन्म दिवस यानी दो अक्टूबर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी **'स्वच्छ भारत-अभियान'** की शुरुआत की है। गांधी जी की १५०वीं जयंती तक अर्थात् वर्ष २०१९ तक समग्र देश को गंदगी से मुक्त कराने का आह्वान उन्होंने देश से किया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गुजरात ने इसे सहर्ष स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने स्वच्छता को स्वभाव बनाकर 'स्व' से लेकर 'समष्टि' तक स्वच्छता के लिए

लोगों से आह्वान किया है। 'महात्मा गांधी स्वच्छता मिशन' की ऑनलाइन मोनीटरिंग भी की जा रही है।

शौचालय के अभाव की स्थिति हमारे समाज के लिए एक कलंक है। समग्र राज्य के प्रत्येक घर में शौचालय हो इसके लिए अभियान शुरू किया गया है। 'हर घर में शौचालय' अभियान के लिए ग्रामीण नारीशक्ति भी आगे आ रही है। समाज ने स्वयं यह जिम्मेदारी उठा ली है। सफाई को जन-आंदोलन का रूप प्रदान कर राज्य के ५०० गांवों को सर्वांगीण स्वच्छ-सुंदर बनाने की मंशा व्यक्त की गई है। स्वच्छता की आदत विकसित हो और राज्य में संस्कारित वातावरण निर्मित हो, इसके लिए ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम जो शायद किसी और राज्य में नहीं होगा।

मित्रों, समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन आए, वही सच्चा सुशासन कहलाता है। राज्य सरकार की सभी नीतियां एवं प्रयास गरीब एवं पिछड़े वर्ग के विकास की दिशा में केन्द्रित हैं। श्रमजीवी परिवारों के प्रति सरकार

विशेष रूप से संवेदनशील है। आपको यह जानकार आनंद होगा कि हाल ही में गुजरात सरकार ने राज्य व्यापी **'श्रमिक-कल्याण मेला'** आयोजित करके श्रमजीवियों के सर्वांगीण विकास के लिए मिशन के रूप में कार्य किया है। राज्य सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के दैनिक वेतन में ६० से ६५ रुपये तक की भारी बढ़ोतरी घोषित की है। **'श्रमेव- जयते'** की अवधारणा को चरितार्थ करते हुए राज्य सरकार ने श्रमिकों के जीवनस्तर में सुधार के आशय से कुशल, अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिकों के दैनिक वेतन में वृद्धि करने का कल्याणकारी निर्णय लिया है। गुजरात में करीब २१ सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ 1 करोड 25 लाख जितने असंगठित श्रमिकों को मुहैया कराने के लिए **'श्रमिक पहचान पत्र'** प्रदान किए जा रहे हैं। **'श्रम सुधार-नीति'** को भी आने वाले समय में क्रियान्वित करने का आयोजन है। गुजरात सरकार श्रमिक कल्याण के लिए **'सेवा-यज्ञ'** की भांति कार्य कर रही है।

गुजरात 'गुड गवर्नेंस' एवं 'स्किल डेवलपमेंट' की वजह से मैन्यूफेक्चरिंग क्षेत्र का हब बना है। गुजरात के कौशलवान युवाओं को रोजगार मिल सके, इसके लिए गुजरात सरकार विशेष प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेक इन इंडिया' का आह्वान किया है। इस अभियान ने भारत के युवाओं के लिए रोजगार निर्माण की भरपूर संभावनाएं खड़ी की है। इस अभियान को मूर्तिमंत करने के लिए गुजरात सुयोग्य पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है। आगामी तीन वर्षों के दौरान अधिकतम उद्योग शुरू हों, उद्योगों को कौशलवान युवाशक्ति उपलब्ध हो और आधारभूत जरूरतों को पूरा किया जा सके, ऐसी व्यवस्था खड़ी की गई है। इतना ही नहीं, स्पष्ट नीति एवं पारदर्शक प्रशासन से गुजरात आज उद्योगकारों एवं निवेशकों के लिए सर्वश्रेष्ठ डेस्टीनेशन बना है। इस अवसर पर मैं आह्वान करता हूं कि,

'मेक इन इंडिया... मेक इन गुजरात'

भाईयों एवं बहनों, किसी भी समाज के प्रगतिशील होने का सीधा संबंध उस समाज के लोगों के शिक्षास्तर से जुड़ा है। हमने शिक्षा को जीवन निर्माण के बजाय जीवन निर्वाह के साथ जोड़ दिया है और इसलिए ही, कई समाजों में बेटियों को पढ़ाने को लेकर विशेष उत्साह नजर नहीं आता। हमें ग्रामीण क्षेत्रों में, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के समाज में साथ ही आदिवासी समुदाय में शिक्षा के प्रति विशेष जागृति का वातावरण खड़ा करने की जरूरत है। यदि समाज एक बार शिक्षा के महत्व से अवगत हो जाएगा तो कुरिवाज, सामाजिक संघर्ष, गरीबी एवं व्यसन से अपने आप ही मुक्त हो जाएगा।

आज गुजरात में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा मुहैया कराने के लिए विशेष प्रयत्न किए जा रहे हैं। मित्रों, वर्ष २००१ के बाद गुजरात सरकार के भगीरथ प्रयासों के कारण 'कन्या केळवणी' और 'शाला प्रवेशोत्सव' जैसे कार्यक्रमों के कारण

शिक्षा के प्रति विशेष जागरूकता पैदा हुई है। शाला नामांकन की दर सौ फीसदी हुई है और गुजरात की साक्षरता दर ८० फीसदी तक पहुंची है। गुजरात को 'ज्ञान का वैश्विक केंद्र' बनाने के लिए राज्य सरकार प्रयत्नशील है।

भाईयों एवं बहनों, केन्द्र एवं राज्य सरकारें गरीबी निर्मूलन के लिए प्रयत्नशील होती ही हैं। सरकार की सभी योजनाएं गरीबों के लाभार्थ ही होती हैं। इसके बावजूद, गरीबों का विकास क्यों नहीं हो रहा? गरीबी का संपूर्ण निर्मूलन संभव क्यों नहीं है? इसके पीछे यदि कोई सबसे बड़ी वजह है तो वह है भ्रष्टाचार। सरकार द्वारा गरीबों के लिए जारी योजनाओं का धन या योजनाओं के लाभ बरसों से बिचौलिये हजम कर जाते थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबों के लिए जारी सरकारी धन या योजना के लाभ सीधे ही गरीबों के बैंक खाते में ही जमा हो इसके लिए **'प्रधानमंत्री जन-धन-योजना'** शुरू की है। भ्रष्टाचारमुक्त भारत निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण इस योजना को गुजरात ने भारी समर्थन

दिया है। देश के गरीब से गरीब व्यक्ति का भी अपना बैंक खाता हो, यह सुनिश्चित करने वाले इस अभियान के अंतर्गत एक ही दिन में 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना' के तहत १५ मिलियन बैंक खाते खोले गए। इतना ही नहीं, इस महीने के अंत तक दूसरे ७४ मिलियन बैंक खाते खोलने का लक्ष्य है। सरकार गरीबों के कल्याण के लिए कितनी प्रतिबद्ध है, इसकी इससे बढ़कर और कौन-सी प्रतीति होगी?

गणतंत्र पर्व पर मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि गुजरात सरकार कल्याण राज्य के ध्येय, जनता के हित, लाभ एवं उत्कर्ष के प्रति गतिशील है। मुख्यमंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में 'टीम गुजरात' राज्य सरकार के १८ मुख्य विषयों की जनहित की १११ प्रवृत्तियों को अलग करते हुए उसके सुदृढ़ अमलीकरण के लिए 'मिशन-मोड' पर कार्यरत है।

राज्य सरकार ने स्वावलंबन अभियान के तहत जरूरतमंद युवाओं, श्रमिकों, विकलांगों एवं समाज के वंचित

वर्गों के विकास के लिए परिणामोन्मुखी काम किया है। वहीं, महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रयास कर ग्रामीण महिलाओं, जनजातीय महिलाओं, निराधार एवं विधवा बहनों के लिए उल्लेखनीय काम किया है।

'स्वच्छ गुजरात-स्वस्थ गुजरात' की उपलब्धि के लिए 'मुख्यमंत्री अमृतम्- मा योजना' के अंतर्गत सभी वर्गों के जरूरतमंद लोगों को राज्य सरकार की ओर से स्वास्थ्य सहायता, सभी स्कूली बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं पर्याप्त उपचार के लिए 'शाला आरोग्य तपासणी कार्यक्रम', कुपोषण दूर करने के लिए विविध कार्यक्रम, १००० निर्मल ग्राम बनाने का लक्ष्य, १० तहसीलों को 'निर्मल तहसील' बनाने की मुहिम, 'डोर टू डोर' कुडे के एकत्रीकरण की व्यवस्था जैसे अनेक कदम उठाए गए हैं। सार्वजनिक सेवा व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण किया गया है।

'शहरी मिशन' के अंतर्गत शहरों में आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं विस्तार किया गया है। 'ई-गवर्नेंस'

के जरिए राज्य सरकार जनता की चौखट तक पहुंची है। युवाओं के कौशल निर्माण के लिए विशेष प्रयत्न हुए हैं। रोजगार के नए अवसरों का निर्माण हुआ है।

'सुरक्षा सेतु' के अंतर्गत पुलिस एवं समाज के बीच सुरक्षा एवं सलामती की भावना का सेतु बनाया गया है। 'स्वामी विवेकानंद युवक मंडलों' का गठन एवं 'खेल-महाकुंभ' जैसे आयोजनों से खेलभावना से युक्त युवापीढ़ी के निर्माण के प्रयास हुए हैं। ग्रामीण हस्तकला एवं कारीगरी को वैश्विक बाजार उपलब्ध हो सके, उस दिशा में भी उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात तो यह है कि जनता के हित की करीब ३०० सार्वजनिक सेवाओं के अमल का अधिकार जनता के हाथ में सौंपा गया है।

राज्य सरकार 'गतिशील गुजरात' तथा लोक-सवांद सेतु अभियान के जरिए गुजरात सर्वांगीण विकास के राजमार्ग पर अग्रसर बना है। राज्य में कुल मिलाकर 238 लोक सवांद-सेतु कार्यक्रम आयोजित किये गये जिस में 13,500 आवेदकों

द्वारा 15,234 प्रश्न पूछे गये, उसमें से 13,296 प्रश्नो का सकारात्मक निबटारा किया गया हैं। समाज की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए प्रशासनिक तंत्र द्वारा निरंतर, सातत्यपूर्ण एवं सेवा की भावना के साथ समर्पित भाव से काम हो यह इस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

आइए, हम सभी गतिशील गुजरात के मिशन को ज्यादा वेगवान बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करें। जनता के सर्वांगीण विकास के प्रयासों में हम भी सहभागी बनकर गणतंत्र पर्व के उत्सव को और भी सार्थक बनाएं।

धन्यवाद। जय हिंद।

****